सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 263 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 31 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अपनी मेंटल साइकल्स का मैं शायद 10 प्रतिशत बिजनेस के बारे में सोचने में लगाता हूं। बिजनेस इतना जटिल नहीं है।

-बिल गेट्स

जिद...सच की

अफगानिस्तान ने श्रीलंका व पाक को... 7 | तेलंगाना में सियासत गरमाई, मैदान... 3 | भाजपा ने संविधान को ताक पर... 2

हैकिंग अलर्ट के मैसेज से सियासी पारा चढ़ा, निशाने पर आई मोदी सरकार

विपक्षी नेताओं के आईफोन पर आये सरकार-प्रायोजित हैकिंग से जुड़े चेतावनी संदेश

» कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने लगाया जासूसी का आरोप

» एप्पल बोला- वजह बताने की स्थिति में नहीं हैं हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी नेताओं के आईफोन पर आये हैकिंग के चेतावनी से देश में सियासी पारा आसमान पर चढ़ गया है। पूरे विपक्ष ने इसे मोदी सरकार द्वारा निजता पर हमला बताते हुए इसकी जांच की मांग की है।

दरअसल विपक्ष की तरफ से मंगलवार सुबह दावा किया गया कि उनके फोन में सरकार-प्रायोजित हैकिंग से जुड़े चेतावनी संदेश आए। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कई लोगों को ऐसे संदेश आए हैं। विपक्षी के सभी बड़े नेताओं ने कहा कि सरकार हम सबकी जासेसी करवा रही है। मैसेज पाने वालों में केसी वेणुगोपा, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा शामिल हैं। यहां गौर करने वाली बात ये है कि जितने भी विपक्षी नेताओं को अलर्ट भेजा गया है, वे सभी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, इनमें से कुछ नेता ऐसे हैं, जो सरकार की आलोचना करते रहे हैं।

युवाओं का ध्यान भटकाने की हो रही कोशिश : राहुल

भाजपा इस वक्त युवाओं का ध्यान भटकाने की कोशिश में है। राहुल ने कहा पहले मैं सोचता था कि सरकार में नंबर-1 प्रधानमंत्री हैं, दूसरे पर अदाणी और तीसरे पर अमित शाह हैं, लेकिन ये गलत है। सरकार में नंबर-1 अदाणी हैं, पीएम मोदी दूसरे नंबर पर हैं और अमित शाह तीसरे पर। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान की राजनीति हमें समझ आ गई है। बस ध्यान बंटाने की राजनीति हो रही है। कि देश की निगाह, विपक्ष की निगाह पिंजरे में बैठे हुए तोते की ओर न चली जाए। राहुल गांधी ने आगे कहा, जितनी टैपिंग करनी हो कर लो। मुझे फर्क नहीं पड़ता। अगर आपको मेरा फोन चाहिए तो मैं अपना फोन दे देता हूं आपको। कम लोग लड़ रहे हैं इसके खिलाफ। लेकिन हम डरने वाले लोग नहीं हैं, लड़ने वाले लोग हैं। हम पीछे नहीं हटेंगे।

हम कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं करते, झूठी चेतावनी हो सकती है : एप्पल

एप्पल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एप्पल ऐसा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं करता है। हम किसी विशेष राज्य प्रायोजित हैकर की बात नहीं कर सकते, ये संभव है कि ऐप्पल की कुछ सूचनाएं झूठी चेतावनी हो सकती हैं, ऐसी सूचनाएं जारी करने की वजह बताने में हम असमर्थ हैं, वजह बताने से भविष्य में हैकर्स को बचने में मदद मिल सकती है।

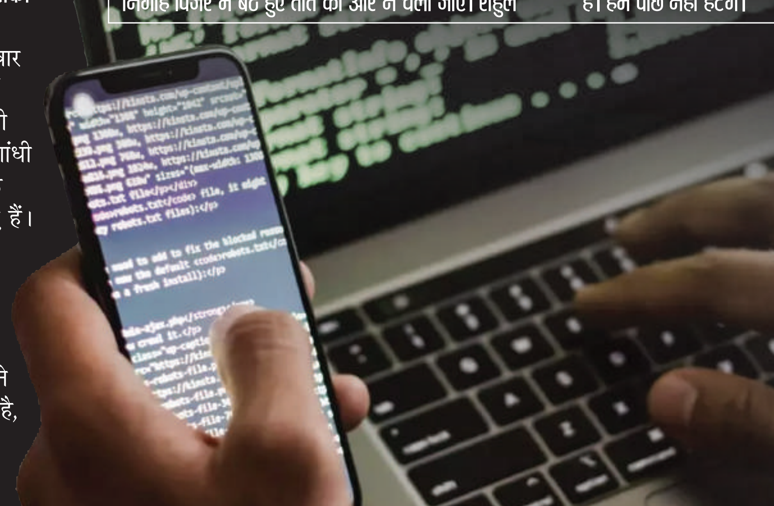

एप्पल पर एफआईआर करें विपक्षी सांसद : रविशंकर

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, ये क्या मैसेज है ये तो एपल ही करेगा। शशि थरूर जी खुद टेलीकॉम में रहे हैं वो खुद एपल से क्यों जवाब नही मांग लेते? केंद्र सरकार के खिलाफ लगाए जा रहे ये सभी आरोप निराधार हैं। फिर भी अगर उनको लगता है तो विपक्षी सांसदों को एपल के खिलाफ प्रोटेस्ट करना चाहिए अगर हिम्मत है तो एफआईआर कर दें।

क्या गृह मंत्रालय करेगा जांच : थरूर

निजता हमारा मौलिक अधिकार है। इस तरह के एलर्ट की जांच क्या गृहमंत्रालय करेगा। उन 495 लोगों से क्षमा याचना जिन्होंने मूल पोस्ट को आरटी किया था। आपमें से कई लोगों ने मुझसे संवेदनशील जानकारी को संशोधित करने का आग्रह किया था, लेकिन मैंने देर से ऐसा किया।

आरक्षण की आग से और जल उठा महाराष्ट्र, बीड में लगा कर्फ्यू

» इंटरनेट बंद, जालना में 3 लोगों ने सुसाइड की कोशिश की

» विपक्ष ने एकनाथ शिंदे पर लगाया अनदेखी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीड। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण हिंसक हो गया है। बीड और माजलगांव के बाद मंगलवार सुबह उमरगा कस्बे के नजदीक तुरोरी गांव में भी आगजनी हुई। यहां प्रदर्शनकारियों ने कर्नाटक डिपो की एक बस में आग लगा दी। इस प्रदर्शन के बाद सीएम एकनाथ विपक्ष के निशाने पर आ गए है।

कांग्रेस व उद्धवगुट शिवसेना ने कहा है कि सरकार जानबूझकर मामले को शांत नहीं करना चाहती है।

इस आंदोलन से सबसे ज्यादा प्रभावित बीड शहर के बाद उस्मानाबाद में भी प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया है। बीड में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। जालना में तीन लोगों ने सुसाइड की कोशिश की।

अध्यादेश ला सकती है शिंदे सरकार

मराठा कैबिनेट उपसमिति की बैठक सोमवार को हुई। बैठक के बाद सीएम शिंदे ने कहा कि जस्टिस संदीप शिंदे कमेटी की रिपोर्ट स्वीकार कर ली गई है। इसे मंगलवार को कैबिनेट में रखा जाएगा। सबूतों से पता चलता है कि कुछ मराठा परिवारों को ही आरक्षण मिलेगा। कमेटी ने अब तक 1.73 करोड़ दस्तावेज जांचे हैं। इनमें कुनबी के 11,530 रिकॉर्ड मिले हैं, जिनके पास कुनबी के साक्ष्य होंगे, उन्हें तुरंत आरक्षण प्रमाण पत्र जारी करेंगे। अनशन पर बैठे मनोज जारांगे ने कहा कि आंशिक आरक्षण स्वीकार नहीं करेंगे। सबको आरक्षण मिले। राज्य सरकार ने ओबीसी के तहत मराठाओं को 16प्रतिशत आरक्षण दिया था।

चंद्रबाबू नायडू को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, सशर्त जमानत

» 24 नवंबर को करना होगा आत्मसमर्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें कौशल विकास घोटाले मामले में चार हफ्तों की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को 24 नवंबर तक के लिए सशर्त जमानत दी है। कोर्ट की ओर से जारी जमानत के आदेश में नायडू को निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें चार हफ्तों बाद (24 नवंबर) को आत्मसमर्पण करना होगा। मामले में कोर्ट मुख्य जमानत याचिका पर 10 नवंबर को सुनवाई करेगी। साथ ही निर्देश है कि नायडू चिकित्सीय जांच के लिए सिर्फ अस्पताल जा सकते हैं।

इसके अलावा उन्हें किसी भी अन्य कार्यक्रम में जाने की अनुमति नहीं होगी।

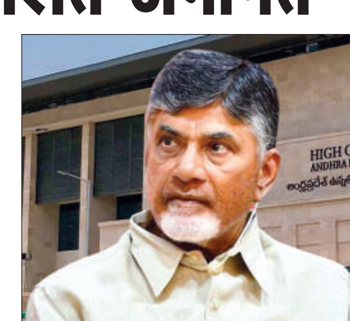

हाई कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को मीडिया और राजनीतिक गतिविधियों में भी हिस्सा न लेने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को राज्य के कौशल विकास निगम से जुड़े कथित 371 करोड़ रुपये के घोटाले के सिलसिले में 10 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह राजमुंदरी सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

भाजपा ने संविधान को ताक पर रख दिया : अखिलेश

बोले- इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का आ गया समय

» सरकार बनने पर अग्निवीर व्यवस्था होगी समाप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जबरदस्त हमला बोलते हुए कहा कि मोदी व योगी सरकार ने संविधान को नजरअंदाज कर दिया है। सपा मुखिया ने कहा कि मोदी सरकार बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान का पालन नहीं कर रही। सीमा पर शहीद होने वाले वाले अग्निवीर का सम्मान नहीं हो रहा है। वर्ष 2024 में जब उनकी सरकार बनेगी तो अग्निवीर व्यवस्था समाप्त करके नियमित भर्ती की जाएगी। यह यात्रा भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए है। जातियों का भेदभाव समाप्त होना चाहिए। आबादी के साथ ही जातियों को उनका अधिकार भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार ने जातीय जनगणना करके एक उदाहरण पेश किया है। अन्य राज्यों में भी इसका पालन होना चाहिए। अभी तक प्रदेश में धान खरीद शुरु नहीं हुई है।

गन्ने का बकाया भुगतान नहीं हो पाया है। अगले साल चुनाव में जनता तक इन मुद्दों को ले जाने के लिए अब तक पांच हजार किलोमीटर की यात्रा निकाली जा चुकी है। इसमें विभिन्न जनपद के युवा कार्यकर्ता साइकिल चला रहे हैं। वह समाजवादी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) साइकिल यात्रा के समापन के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। करीब 15 किमी की यात्रा सुल्तानपुर रोड स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से गोमतीनगर के जनेश्वर मिश्र पार्क तक निकाली गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सपा पीडीए साइकिल यात्रा के दौरान क्या नेता-क्या कार्यकर्ता, सभी में गजब का उत्साह देखने को मिला। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जनेश्वर पार्क के बीच निकली इस यात्रा के लिए रास्ते में जगह-जगह स्वागत के लिए पंडाल लगाए गए। यात्रा पर फूलों की बारिश कीगई तथ ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान अखिलेश यादव को माला पहनाने तथा उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों में होड़ लगी रही।

स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई, सरकार मौन

यात्रा से पहले अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में एक भी जिला अस्पताल नहीं बना। शाहजहांपुर में मेडिकल कॉलेज के क्या हाल हैं, किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश में डेंगू से लोग मर रहे हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। अखिलेश ने कहा कि स्थिति यह है कि लोहिया इंस्टीट्यूट में एक ही राज्य और एक ही कोचिंग संस्थान से निकले युवाओं को नौकरी दी जा रही है। दूसरे राज्य के लोग यहां काम करें, मैं इसके खिलाफ नहीं हूं, लेकिन यह संयोग बड़ा ही विचित्र है।

अखिलेश को देखने के लिए जुटे

साइकिल यात्रा के शुरू होने के बाद जनेश्वर मिश्र पार्क तक जगह-जगह पूर्व मुख्यमंत्री को देखने के लिये आम लोग भी सड़क किनारे व छतों पर इंतजार करते दिखाई दिये। यात्रा के पहुंचने पर लोग अखिलेश का वीडियो बनाते रहे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी यात्रा के दौरान कभी साइकिल तो कभी मोटरसाइकिल पर सवार होते हुये शामिल हुए। पहले एक सुरक्षाकर्मी कुछ दूर साइकिल चला कर शामिल हुआ तो थक जाने पर दूसरा साइकिल पर आ जाता और पहले वाला मोटरसाइकिल पर सवाल हो जाता। यात्रा के पूरे रास्ते सुरक्षाकर्मी इस तरह से यात्रा में शामिल होते रहे। वहीं कमांडो भी मोटरसाईकिल से अखिलेश यादव के पीछे-पीछे शामिल रहे। साइकिल यात्रा के अमूल डेयरी प्लांट के पास पहुंचने पर कार्यकर्ताओं को अमूल का मठा व फ्लेवर्ड दूध का वितरण किया गया। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को गदा भेंट कर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया गया।

रवि भूषण को सपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि

अखिलेश यादव ने केकेसी छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य रविभूषण यादव राजन के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। अखिलेश यादव ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इससे पहले समाजवादी पार्टी की पीडीए साइकिल यात्रा में शामिल सपा नेता रवि भूषण राजन (50) को अचानक दिल का दौरा पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रवि सपा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य थे और पुराने सपा नेता थे। यात्रा के

शुरू होते ही थोड़ी देर बात ही अचानक यात्रा में पीछे चल रहे रवि भूषण राजन को दिल का दौरा पड़ गया। आनन फानन में उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। केकेसी कालेज के अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य रहे रवि वर्तमान में सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य थे।

वह मूल रूप से गांव तिलसुवा मलिहाबाद के रहने वाले थे। निधन की सूचना से इलाके में शोक की लहर छा गई। समाजवादी पार्टी सहित तमाम राजनीतिक पार्टियां ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सपा के अपने ऑफिशियल एक्स हेंडल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लखनऊ अशोक यादव ने कहा है कि राजन पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे। परिवार में बड़े भाई आनंद का कई वर्ष पूर्व देहांत हो चुका है। दूसरे भाई मुन्ना सिंह हैं । भाइयों में सबसे छोटे रवि भूषण राजन यादव थे।

पीडीए यात्रा में उमड़ा अपार जनसमूह

सपा की साइकिल यात्रा सुलतानपुर रोड से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पास से शुरू हुई थी। पुलिस ने इसको देखते हुए उस स्थान का ट्रैफिक सिर्फ एक ही लेन पर चलाने की व्यवस्था की। यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ जुटी। इस दौरान रांग साइड से आने वाले लोगों ने बेतरतीब ढंग से अपनी गाड़ियां दाहिनी तरफ लगा दीं। इसका असर यह हुआ कि दोनों तरफ से सड़क पर जाम लग गया। जैसे-जैसे यात्रा बढ़ती गई उसी हिसाब से सड़क पर जाम भी नजर आता गया। एचसीएल के पास जब यह यात्रा सुलतानपुर रोड से मुड़ गई तब जाकर जाम से राहत मिली। साइकिल यात्रा के दौरान बड़े नेताओं ने भी साइकिल का इंतजाम कर रखा था। कभी खुद तो कभी उनके ड्राइवर ने ये साइकिलें चलाईं। जनेश्वर मिश्र पार्क पर जाकर जब यह यात्रा समाप्त हुई तो थोड़ी ही देर में ये साइकिलें एक ट्रक में लदी नजर आईं। कई नेता अपनी लंबी गाड़ी में अपनी साइकिल लेकर भी आए थे।

आरोप बेबुनियाद, मैं दिल्ली में नहीं था : बृजभूषण

» महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले पर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोर्ट में महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले में भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि एक शिकायतकर्ता का कहना है कि 16 अक्टूबर, 2017 को उसका यौन उत्पीड़न हुआ। अगले दिन वह कुश्ती संघ के दफ्तर गई थी, उस दिन बृजभूषण दिल्ली में मौजूद नहीं थे। अदालत ने सभी पक्षकारों से दलीलें की लिखित प्रति दो हफ्ते में जमा करने को कहा है। बृजभूषण के वकील अजय अग्रवाल ने कहा कि शिकायतकर्ता ने वर्ष 2022 में बुल्गारिया व कुश्ती संघ के दफ्तर की घटना का जिक्र किया है।

लेकिन कुश्ती संघ के दफ्तर की घटना का जिक्र ओवर साइट कमेटी के सामने नहीं की राऊज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने कुछ दलीलें सुनने के बाद सभी पक्षकारों से दलीलों की लिखित प्रति दो हफ्ते में जमा करने को कहा और सुनवाई 22, 23,24 नवंबर के लिए स्थगित कर दी।

प्रिंसिपल से मारपीट के मामले में आप विधायक अब्दुल रहमान की अपील खारिज

दिल्ली की एक अदालत ने 2009 में एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल से मारपीट के मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ आप विधायक अब्दुल रहमान और उनकी पत्नी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। मजिस्ट्रेट अदालत ने इस साल अप्रैल में राजनेता और उनकी पत्नी को दोषी ठहराया था। हालाँकि, इसने उन्हें शांति और अच्छे व्यवहार बनाए रखने और किसी भी आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की शर्त पर परिवीक्षा पर रिहा कर दिया था। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने पीड़िता की अपील भी खारिज कर दी, जिसने सजा बढ़ाने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अपीलकर्ताओं ने राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित 7 जून के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी।

रवि भूषण के घर पहुंचे अजय राय, परिवार को दी सांत्वना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार (31 अक्टूबर) को समाजवादी पार्टी के नेता रवि भूषण यादव के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। रवि भूषण यादव (राजन) का सोमवार को लखनऊ में अखिलेश यादव द्वारा निकाली गयी साइकिल यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। अजय ने सपा नेता के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस बारे में अजय राय एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि अखिलेश यादव जी द्वारा निकाली गयी साइकिल यात्रा में रवि भूषण यादव (राजन) जी का दिल का दौरा पड़ने से निधन होना हृदयविदारक है, आज शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बढ़ाया व दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

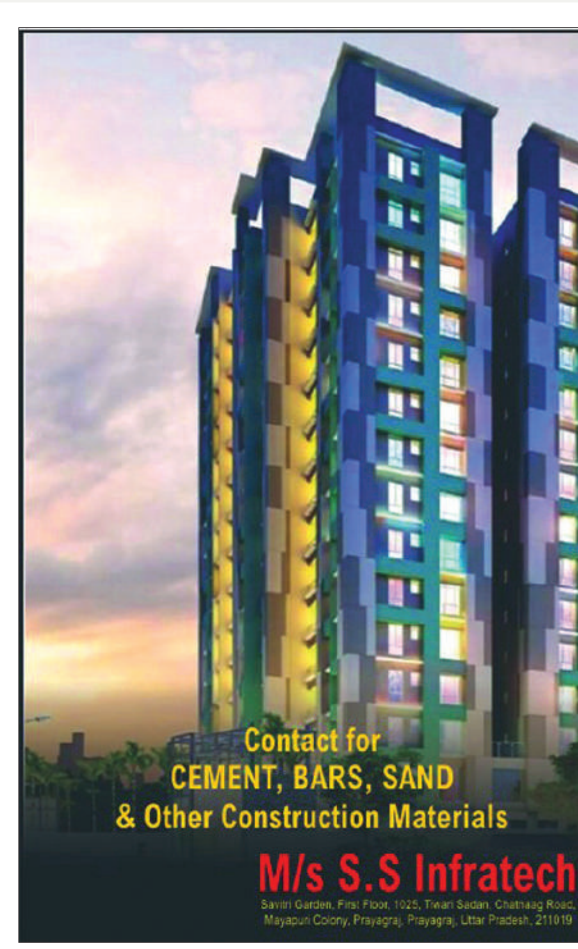

तेलंगाना में सियासत गरमाई, मैदान छोड़ने तक आई

- चंद्रबाबू नायडू की पार्टी नहीं लड़ेगी चुनाव
- तेलगूदेशम पार्टी ने किया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

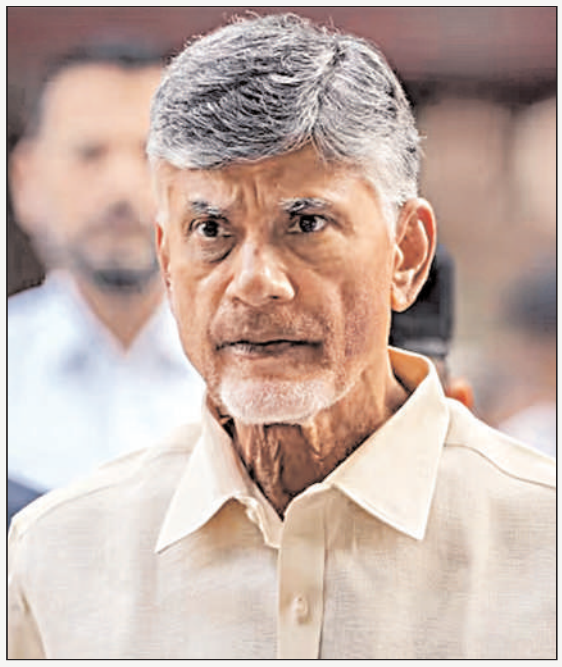

हैदराबाद। दक्षिणी राज्यों में जैसे-जैसे 24 लोक चुनाव करीब आते जा रहे हैं वहां पर सियासी खींचतान और उतारचढ़ाव जारी है। हाल ही आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडु आध्र की राज्य की जगन सरकार द्वारा घोटाले में आरोपी होने के बाद बंद किए गए हैं। ऐसे में तेलंगाना में होने वाले विधान सभा चुनाव पर भी इसका असर हो रहा है। इसी क्रम में तेलगू देशम पार्टी ने वहां के चुनाव से हटने का फैसला किया है।

वहीं जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ रहा है उम्मीदवरों के बीच लड़ाई व झगड़े की खबरें की सामने आ रही हैं। टीडीपी तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष कसानी ज्ञानेश्वर को इस फैसले के बारे में पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने खुद बताया, जब चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राजमुंद्री सेंट्रल जेल में उनसे मुलाकात की। तेलुगु देशम पार्टी ने आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है, जिससे पार्टी की राज्य इकाई के भीतर हलचल मच गई है। यह पहली बार होगा कि टीडीपी ने 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। टीडीपी 2018 के चुनावों में केवल दो सीटें जीतने में कामयाब रही। कथित कौशल विकास घोटाले में टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू अभी भी जेल में हैं, इसलिए पार्टी ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया। नायडू ने उनसे तेलंगाना में पार्टी नेताओं को उन परिस्थितियों के बारे में बताने को कहा, जिनके कारण पार्टी को चुनाव से दूर रहना पड़ा। हालाँकि, ज्ञानेश्वर द्वारा कार्यकर्ताओं को पार्टी के फैसले से अवगत कराने के बाद रविवार को हैदराबाद में एनटीआर ट्रस्ट भवन में टीटीडीपी कार्यालय में एक बड़ा नाटक देखा गया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कुछ नेताओं ने टीटीडीपी कार्यालय में पार्टी के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया।

कथित कौशल विकास घोटाले में उनकी गिरफ्तारी के बाद नायडू का परिवार और टीडीपी वर्तमान में विभिन्न अदालतों में कानूनी लड़ाई में व्यस्त हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने 9 सितंबर को करोड़ों रुपये के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं और सीआईडी ??दो अन्य मामलों में उनकी कथित संलिप्तता की भी जांच कर रही है। टीडीपी ने 2018 में तेलंगाना में कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, फिर से कांग्रेस और सीपीआई के साथ चुनाव पूर्व समझौता किया था। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को 3.51 फीसदी वोट मिले थे। इससे पहले टीडीपी विधायक और अभिनेता एन. बालकृष्ण ने हाल ही में हैदराबाद में टीडीपी नेताओं के साथ बैठक की थी और उन्हें चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा था। बालकृष्ण, जो नायडू के बहनोई हैं, ने कहा था कि टीडीपी तेलंगाना में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी।

सांसद कोथा प्रभाकर पर चुनाव प्रचार के दौरान हमला

प्रभाकर को पेट में चाकू मारा गया है। तेलंगाना के मेडक से सांसद और विधानसभा चुनाव में बीआरएस प्रत्याशी कोथा प्रभाकर रेड्डी पर सोमवार को चाकू से हमला किया गया। घटना को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब वो सिद्दीपेट के सुरामपल्ली गांव में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। प्रभाकर को पेट में चाकू मारा गया। उन्हें तुरंत गजवेल अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत अभी स्थिर है। उन्हें हैदराबाद भी शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं, भीड़ ने आरोपी को पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया है। आरोपी की पहचान की जा रही सिद्दीपेट की पुलिस कमिश्नर एन श्वेता ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। उसकी पहचान और हमले की वजह भी पता की जा रही है। कोठा प्रभाकर रेड्डी ने 2014 में मेडक (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) के लिए हुए उप चुनाव में तेलंगाना राष्ट्र समिति के उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। उन्होंने 3.61 लाख वोटों से जीत हासिल की थी।

राहुल गांधी एक नवंबर तेलंगाना में रैलियां करेंगी

प्रियंका गांधी तेलंगाना के लिए पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटी पर देवराकाद्रा में महिलाओं के साथ बातचीत करने के अलावा कोल्लापुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए क्रमशः 31 अक्टूबर और एक नवंबर को तेलंगाना में प्रचार अभियान में भाग लेने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी जनसभाओं को संबोधित करने के अलावा शादनगर रेलवे स्टेशन से शादनगर चौरास्ता तक पदयात्रा में भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी तेलंगाना के लिए पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटी पर देवराकाद्रा में महिलाओं के साथ बातचीत करने के अलावा कोल्लापुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगी। दोनों नेताओं ने इससे पहले 18 अक्टूबर को चुनावी राज्य में बस यात्रा की शुरुआत की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को राज्य में चुनावी रैलियों को संबोधित किया।

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 500 से अधिक मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा होगी

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से लगे तेलंगाना के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित (एलडब्ल्यूई) इलाकों में 500 से अधिक मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे ताकि राज्य में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को बाधित करने की हर कोशिश को नाकाम किया जा सके। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर रहे निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि 119 में से 14 निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान वामपंथी उग्रवाद के संदर्भ में संवेदनशील इलाकों के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से लगे तेलंगाना के आठ जिलों में लगभग 511 मतदान केंद्र ऐसे हैं जिनकी पहचान वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों के रूप में की गई है। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने 'कहा, ''इसी के अनुसार, राज्य पुलिस बल के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों को अतिरिक्त संख्या में इन इलाकों में तैनात किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में मतदान की अवधि अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ी भिन्न होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या अधिकारियों को माओवादियों से किसी खतरे या हिंसा की आशंका है, सीईओ ने कहा, ''हमारे यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि ऐसा कुछ नहीं होगा।'' उन्होंने साथ ही कहा कि पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सतर्क है। विकास राज कहा कि अब तक राज्य में केंद्रीय बलों की 100 से अधिक कंपनी आ चुकी हैं जिन्हें जांच चौकी और विभिन्न दलों की आवश्यकता के आधार पर तैनात किया गया है और वे 'फ्लैग मार्च' कर रही हैं।

केरल में विस्फोट पर विजयन सरकार पर चौतरफा वार

- भाजपा ने सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप
- सीएम बोले- नहीं बिगड़ने देंगे राज्य का माहौल
- सर्वदलीय बैठक में लिया सौहार्द बनाने का संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुअंतनपुरम। दक्षिण के महत्वपूर्ण राज्य केरल में एक प्रार्थना सभा के दौरान हमले में तीन लोगों की मौत के बाद राज्य में सियासी हलचल जारी है। राज्य के सीएम ने इस घटना को दुखद बताते हुए इस कृत्य को कायराना बताते हुए सबसे अपील की है कि भाईचारे व प्रेम को बनाए रखें। सीएम ने सर्वदलीय बैठक में अविश्वास, असहिष्णुता पैदा करने के प्रयासों को रोकने का संकल्पक लिया है। वहीं भाजपा ने उस पर कट्टरता की अनदेखी का आरोप लगाया। गौरतलब हो कि शुरुआत में विस्फोटों में एक महिला की मौत हुई और 52 अन्य घायल हुए थे जिनमें से छह की हालत गंभीर थी। इसके बाद गंभीर रूप से घायलों में से 53 वर्षीय महिला की मौत हो गयी।

सोमवार को सुबह तक हादसे में 95 फीसदी तक झुलसी 12 वर्षीय लड़की की भी मौत हो गयी। घटना के कुछ घंटों बाद 'यहोवा के साक्षी' संप्रदाय का सदस्य होने का दावा करते हुए एक व्यक्ति ने त्रिशूर जिले की पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर इन धमाकों की जिम्मेदारी ली थी। केरल में ईसाई समुदाय के एक सम्मेलन केंद्र में एक के बाद एक हुए कई विस्फोट की घटना के बाद मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन द्वारा सोमवार को बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक में समाज में अविश्वास और असहिष्णुता पैदा करने की कोशिशों को रोकने का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सचिवालय परिसर स्थित सम्मेलन सभागार में हुई बैठक में लोगों से विस्फोट के बाद निराधार आरोपों, अटकलें लगाने और अफवाह फैलाने से बचने का अनुरोध करने का भी सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया। केरल में कोच्चि के समीप कलमस्सेरी में ईसाई समुदाय के एक सम्मेलन केंद्र में रविवार को सुबह हुए धमाकों में तीन लोगों की मौत हो गयी। सम्मेलन केंद्र में 'यहोवा के साक्षी' समूह की प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। इस ईसाई धार्मिक समूह की स्थापना 19वीं सदी में अमेरिका में की गयी थी। सर्वदलीय बैठक में राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हुए और उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि केरल उन लोगों के, राज्य के खंडित करने के अलग-अलग प्रयासों पर किसी भी कीमत पर काबू पा लेगा जो इस दक्षिणी राज्य में शांति, भाईचारे और समानता की विशेष सामाजिक स्थिति को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से समाज में विभाजन पैदा करने और लोगों को एक-दूसरे से अलग करने के लिए जारी अटकलों, मिथकों और अफवाहों को फैलाने के प्रयासों को रोकने का आग्रह किया।

भाजपा ने खोला विजयन सरकार के खिलाफ मोर्चा

हम सभी पिनराई विजयन की सरकार के कुशासन की समस्याओं को उठाने, वर्तमान प्रशासन में व्याप्त घोटालों और भ्रष्टाचार पर बात करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। हमारा सामूहिक लक्ष्य केरल में समृद्धि, विकास और सुशासन लाने के हमारे प्रयासों में एकजुटता प्रदर्शित करना है।'' उन्होंने आगे कहा कि 'धरना' विजयन सरकार के प्रति लोगों के कथित असंतोष को व्यक्त करने के लिए एक मंच है। उन्होंने दावा किया कि विजयन सरकार हताश और नीतिगत रूप से पंगु है। भाजपा के सैकड़ों समर्थक सुबह करीब छह बजे से ही सचिवालय के तीन प्रवेश द्वारों के बाहर एकत्र हो गए। इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और यातायात को किसी और मार्ग की ओर परिवर्तित किया गया, ताकि कार्यालय जाने वाले लोगों तथा स्कूल जाने वाले छात्रों को दिक्कत न हो। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'धरना' विजयन सरकार के प्रति लोगों के कथित असंतोष को व्यक्त करने के लिए एक मंच है। उन्होंने दावा किया कि विजयन सरकार हताश और नीतिगत रूप से पंगु है। भाजपा के सैकड़ों समर्थक सुबह करीब छह बजे से ही सचिवालय के तीन प्रवेश द्वारों के बाहर एकत्र हो गए। इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और यातायात को किसी और मार्ग की ओर परिवर्तित किया गया, ताकि कार्यालय जाने वाले लोगों तथा स्कूल जाने वाले छात्रों को दिक्कत न हो।

केरल सरकार का कट्टरपंथ के प्रति ''नरम रवैया'' : नड्डा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने केरल की वाम सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर राज्य में ''कट्टरपंथ'' के प्रति ''नरम रुख अपनाने'' का सोमवार को आरोप लगाया। नड्डा ने वाम सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि जब इस्लामी उग्रवादी समूह हमास के एक नेता ने केरल में आयोजित एक डिजिटल बैठक को संबोधित किया तो वामपंथी सरकार ''मूक दर्शक'' बनी रही। नड्डा ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजग ने राज्य में वाम सरकार के कथित कुशासन के विरोध में केरल सचिवालय के चार में से तीन द्वार अवरुद्ध कर दिए। नड्डा ने हमास के साथ इजराइल के युद्ध के विरुद्ध हाल में राज्य में एक इस्लामी समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हमास नेता खालिद मशाल के डिजिटल माध्यम से जुड़ने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उसने अपने संगठन के बारे में खुलकर बात की और वामपंथी सरकार ''मूक दर्शक'' बनी रही। उन्होंने कहा, ''इसका क्या मतलब है? आप 'गॉड्स ऑन कंट्री' (ईश्वर का अपना देश) केरल को बदनाम कर रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या वे इस प्रकार की चीजों की अनुमति देंगे? उन्होंने एक दिन पहले कोच्चि के निकट कलमश्शेरि में हुए बम धमाकों का भी जिक्र किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ''इसकी गहराई तक जाने पर'' यह पता लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ''कट्टरपंथ को लेकर नरम रुख अपनाने'' के कारण शांतिपूर्ण राज्य में ऐसी स्थिति पैदा हुई है। नड्डा ने वाम सरकार में कथित भ्रष्टाचार को लेकर उसकी आलोचना की और दावा किया कि केरल में विजयन के नेतृत्व में कुप्रबंधन साफ दिखाई देता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सहमति से व्यस्क विवाह में हस्तक्षेप अनुचित

“ दरअसल, इस मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 सभी व्यक्तियों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा देता है, जिसके तहत व्यक्तिगत पसंद का चुनाव करना, विशेष रूप से विवाह से संबंधित मामलों में, प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निहित अधिकार है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब दो लोग स्वेच्छा से एक दूसरे से विवाह करने का फैसला लेते हैं तो ऐसी स्थिति में उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को कोई अधिकार नहीं होता है।

अदालत ने एक अहम फैसले में कहा कि सहमति से विवाह करने वाले वयस्कों के जीवन में कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। कोर्ट का फैसला उचित है। इसका स्वागत होना चाहिए। पर अदालतों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस फैसले की आड़ में युवक या युवती परिवारों की अनदेखी न करें। साथ ही परिवारों को भी अदालती आदेश का सम्मान करते हुए अपने बच्चों की बातों को ध्यान से सुनकर उनका साथ देना चाहिए। यही भावना बच्चों में भी होनी चाहिए कि वह अपने माता-पिता की जानकारी में ही कोई निर्णय लें। दरअसल, इस मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 सभी व्यक्तियों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा देता है, जिसके तहत व्यक्तिगत पसंद का चुनाव करना, विशेष रूप से विवाह से संबंधित मामलों में, प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निहित अधिकार है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब दो लोग स्वेच्छा से एक दूसरे से विवाह करने का फैसला लेते हैं तो ऐसी स्थिति में उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को कोई अधिकार नहीं होता है।

यह कहते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 में व्यक्तिगत पसंद के अधिकार का जिक्र भी हाईकोर्ट ने किया है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 सभी व्यक्तियों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा देता है, जिसके तहत व्यक्तिगत पसंद का चुनाव करना, विशेष रूप से विवाह से संबंधित मामलों में, प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निहित अधिकार है। अदालत ने एक जोड़े को पुलिस सुरक्षा प्रदान करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्होंने अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध मुस्लिम रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार 6 अक्टूबर को शादी की थी। जब यहां पार्टियां दो सहमति वाले वयस्क हैं जिन्होंने स्वेच्छा से विवाह के माध्यम से हाथ मिलाने के लिए सहमति व्यक्त की है, तो कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में समाज, माता-पिता, रिश्तेदार कोई भी बाधा नहीं बन सकता है। अदालत ने ये भी कहा कि यहां पार्टियों के जीवन में हस्तक्षेप करने के लिए किसी के पास कुछ भी नहीं बचा है। बता दें कि अदालत ने एक दंपति द्वारा परिवार के सदस्यों की ओर से मिली धमकियों के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था और अदालत से मदद मांगी थी। उनका मामला था कि उस व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मोदी के सपनों को साकार करता हरियाणा

मनोहर लाल

हरियाणा में हमारी सरकार के नौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। नौ वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब हरियाणा की जिम्मेदारी मुझे सौंपी थी, राज्य की स्थिति ऐसी थी कि उन परिस्थितियों और सिस्टम के बीच रहकर प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना दुष्कर था। तबादलों से लेकर सीएलयू तक सब कुछ अनियमितताओं के घेरे में था। मुझे लगा कि ईमानदार दृष्टिकोण के साथ व्यवस्था परिवर्तन एक महत्वपूर्ण कार्य है। नौकरियां नहीं थीं, यदि थीं तो बिना ईमानदारी से उन्हें पाना मुश्किल था। भ्रष्टाचार का बोलबाला था। समाज जातियों में बंटा था। प्रदेश के संसाधनों का मनमाना एवं पक्षपातपूर्ण उपयोग, तर्कहीन आवंटन और दूषित पूंजीवाद जैसी नीतियों पर चलकर प्रदेश को प्रगति के पथ पर नहीं लाया जा सकता था। प्रदेश की जनता में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दलों के प्रति आक्रोश था। अर्थव्यवस्था बेहाल थी, सामाजिक कुरीतियों का बोलबाला था। प्रदेश ही नहीं पूरे देश को भोजन कराने वाला किसान आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर था। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद मुझे अहसास हो गया था कि इन कुरीतियों को दूर किये बिना राज्य का भला नहीं होगा।

हालात से स्पष्ट था कि हमें नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। मैं प्रारंभ से ही टेक्नोलॉजी से काफी नजदीकी से जुड़ा रहा। इसलिए लगा कि इससे होने वाले फायदे से एक नए हरियाणा का निर्माण संभव है। वर्ष 2014 में सरकार बनाने पर महसूस किया कि हरियाणा के इस बेदम सिस्टम को बदलने में वक्त लगेगा। जनता ने हमें चुना था तेज वृद्धि, संतुलित क्षेत्रीय विकास और सुशासन के लिए। इसलिए हम शुरू से ही जाति, नस्ल, क्षेत्र या पंथ और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव के बिना समाज के सभी वर्गों को एक संगठित इकाई मानकर विकास एवं समृद्धि के समान अवसर उपलब्ध कराने की नीति पर चले। नौ वर्ष के अथक प्रयास के बाद आज यह संतोष है कि प्रदेश उस पथ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां से अब पुराने सिस्टम तक लौटना असंभव है।

सामाजिक स्तर पर समाज को एक करने के लिए आवश्यक था कि ऐसे कदम उठाये जाएं जिनसे लोगों के भीतर आत्मसम्मान की भावना जाग्रत हो ताकि वे अपने स्तर पर प्रदेश के विकास में योगदान दे पाएं। जाति के इसका अर्थ यह हुआ कि हरियाणा के 96 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास पीपीपी आईडी हो गई है। हमारी सरकार से पूर्व प्रदेश में रहने वाले समाज के सबसे निचले तबके के निवासी, दलित-पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग सर्वाधिक मुश्किल जीवन यापन कर रहे थे। इस वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाये बिना प्रदेश के विकास का कोई औचित्य नहीं था। अंत्योदय की भावना मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

सार्वजनिक होने का मतलब ही है कि आत्मविश्वास का टूटना। इसलिए हमारी सरकार ने हरियाणा एक, हरियाणवी एक की नीति पर चलने का निर्णय लिया। ऐसे विकल्प चुने गए, जिनसे नागरिकों को सरकार से मिलने वाले किसी भी लाभ के लिए अपनी हैसियत को सार्वजनिक न करना पड़े। इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभायी हमारी फ्लैगशिप स्कीम परिवार पहचान पत्र ने। इसके तहत प्रदेश के सभी निवासियों का पूर्ण विवरण एकत्रित किया जा रहा है। एक बार इस स्कीम में दर्ज हो जाने के बाद प्रदेशवासियों को किसी भी विभाग में कोई भी दस्तावेज जमा करने के झंझट से छुटकारा मिल गया है। अब तक प्रदेश के 70 लाख से अधिक परिवारों के 2.81 करोड़ से अधिक सदस्यों को पीपीपी में पंजीकृत किया जा चुका है।

राजनीतिक जीवन से पूर्व समाज सेवा के दौर से ही मैं अंत्योदय की भावना से काम करता रहा हूं। इसलिए मैंने तय कर लिया था कि प्रदेश में गरीब, पिछड़ों, दलितों और शोषितों को सम्मानित जीवन देना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय होगा। हमने बीपीएल परिवारों की न्यूनतम वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक प्रतिवर्ष तय की, ताकि इसका लाभ अधिक से अधिक गरीबों तक पहुंचे। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत हमारा लक्ष्य प्रदेश के 1 लाख अति गरीब परिवारों की आय को बढ़ाने का है। इस दिशा में पहले 4 चरणों में आयोजित अंत्योदय मेलों में लगभग 50 हजार परिवारों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिए गए।

हमास के खिलाफ गठजोड़ बनाने की कवायद

पुष्परंजन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को प्रस्ताव दिया था कि इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट की जड़ों से जूझ रहे मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन का विस्तार किया जा सकता है। इसमें सहमति बनी तो हमास के खिलाफ लड़ाई तेज की जा सकती है। यरुशलम में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक बैठक के बाद यह प्रस्ताव मैक्रों ने दिया है। इससे यूरोप को क्या हासिल होने वाला है? बड़ा सवाल है। फ्रांस में हमास के समर्थन में प्रदर्शन पर आधिकारिक रोक आयद है। आगामी 9 जून, 2024 तक फ्रांस में संसदीय चुनाव हो जाना है। 2024 में अमेरिका और भारत में भी आम चुनाव हैं। दुनिया के 53 देशों में 2024 में आम चुनाव हैं, उनमें सर्वाधिक यूरोप के देश हैं। यह कहना मुश्किल है कि ओशिनिया, पालाउ, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आम चुनावों की रणनीति इस्राइल-फलस्तीन युद्ध से प्रभावित होगी या नहीं, मगर यूरोप, अमेरिका, उत्तर अफ्रीका, एशियाई मुल्क इससे अछूते नहीं रह सकते।

मैक्रों कुछ खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताना चाहते हैं कि आइसिस यानी दाएश नये सिरे से अपनी जड़ों का विस्तार फलस्तीनी प्रभाव वाले क्षेत्रों में कर रहा है। अलायंस ने कुर्द लड़ाकों के साथ काम किया, जिन्होंने सीरिया में जमीनी लड़ाई का बड़ा हिस्सा संभाल रखा था। इन लोगों ने प्रमुख इराकी शहर मोसुल सहित उत्तरी सीरिया और उत्तरी इराक में कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। दाएश की जड़ों को समाप्त करने वाले गठबंधन की स्थापना 2014 में की गई थी, इसमें यूरोपीय संघ और अरब लीग वाले देशों के 86 सदस्य शामिल हैं। मगर, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि दाएश को मिटाने के लिए जो सर्वसम्मति पाई गई थी, वह हमास के खिलाफ अभियान में तब्दील नहीं होगी। ऐसे अलायंस के बैनर तले अरब लीग के देश हमास के विरुद्ध अभियान में आगे आयेंगे, इसमें शक ही है।

शांति प्रयास के लिए देर से ही सही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ संजीदा तो हुआ है। कायदे से इस्माइल हानिया को मेज पर होना चाहिए, जो गाजा पर दशकों से शासन करते रहे, जिनकी एक आवाज पर राकेट का दगना बंद हो सकता है। वर्ष 2006 में दूसरे संसदीय चुनाव के बाद हमास और फतेह पार्टी में खटपट शुरू हुई। दोनों में सत्ता बंट गई। रामल्ला केंद्रित वेस्ट बैंक की सियासत महमूद अब्बास की फतेह पार्टी देखने लगी, जो वहां के राष्ट्रपति घोषित किये गये। 14 जून, 2007 से गाजा पट्टी की सत्ता हमास के हाथों में है, उसके प्रधानमंत्री हैं इस्माइल हानिया। हानिया के बराबर हमास में नेता खड़ा करने के प्रयास लगातार हुए हैं। हमास की राजनीतिक गतिविधियों के हवाले से कोई भी पूछेगा, यह एक निर्वाचित सरकार की हैसियत से इस्राइल के विरुद्ध लड़ रहा है, या उसे आतंकी संगठन ही मान लिया जाए?

फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (आईएफआरआई) के एली टेनेनबाम ने कहा, दाएश विरोधी गठबंधन के सदस्यों की सूची में कतर, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई देश शामिल रहे हैं, जो हमास पर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की रणनीति से इत्तेफाक नहीं रखते। मगर, यहूदी मीडिया को माहौल बनाने के लिए लगा दिया गया है। तेल अवीव से मुद्रित हारेत्ज अखबार ने दस ऐसे शोधार्थियों व स्कॉलर्स के शोध पत्रों को प्रकाशित किया है, जिसमें यह बताने की चेष्टा की गई है कि हमास की मारक क्षमता आइसिस से तालमेल की वजह से बड़ी है। इसमें सबसे दिलचस्प यह है कि आइसिस विरोधी 86 देशों का जो गठबंधन बना था, उसमें इस्राइल सदस्य नहीं था। लंदन स्थित थिंक टैंक ‘चौथम हाउस’ के वरिष्ठ शोधार्थी रेनैड मंसूर ने कहा, ‘दाएश के खिलाफ लड़ाई में इराकी और सीरियाई आबादी का व्यापक समर्थन था, मगर हमास के खिलाफ ऐसा कोई भी अभियान कठिन होगा, क्योंकि हमास के समर्थन में मुस्लिम देश अधिक हैं। लेकिन जो सबसे खतरनाक दिखने लगा है, वह है दोनों तरफ होने वाला नरसंहार।’ अफसोस दोनों ओर के नेता विजयी मुद्रा में हैं। नेतन्याहू अपनी घरेलू राजनीति में खम ठोक सकते हैं कि देखो हमारा कम नुकसान हुआ, फलस्तीनियों को हमने कीड़े-मकोड़ों की तरह मारा है। इस्राइली अखबार भी जिस तरह से संख्या बता रहे हैं, उससे महसूस किया जा सकता है कि यहूदी मीडिया बेंजामिन नेतन्याहू के इस एजेंडे को पुष्ट कर रहा है। हमास सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 अक्टूबर से इस्राइली बमबारी में गाजा पट्टी में 5,791 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं।

दूसरी ओर इस्राइली अधिकारियों के अनुसार, हमास के हमले में उनकी तरफ के 1,400 से अधिक लोग मारे गए हैं। हमास ने अब तक 220 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से दो अमेरिकी, दो इस्राइली (85 वर्षीय लाइफशिट्ज और 79 वर्षीय नुरिट कूपर) को स्वास्थ्य कारणों से रिहा कर दिया है। नुरिट कूपर के बयानों को सुनने वाले सिहर गये थे, जैसे वो मिनी नरक से मुक्त हुई हों। यह भी युद्ध नीति का हिस्सा होता है कि शत्रु पक्ष को जितना डराओगे, वह समझौते की मेज पर उतना ही शिथिल दिखेगा। हमास को लेकर मुस्लिम देश भी रणनीति तेजी से बदल रहे हैं। कतर, हमास की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। वर्ष 2012 में कतर के अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी गाजा पट्टी आये और हमास को 1.8 अरब डॉलर की मदद देने की घोषणा की थी। अरब लीग, ट्यूनीशिया हमास की सरपरस्ती करते रहे। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्की के राष्ट्रपति रिजेब तैयप एर्दोगान ने हमास नेता इस्माइल हानिया को हरसंभव सहायता देने का ऐलान किया है।

करवा चौथ पर सजाएं स्वादिष्ट पारंपरिक प्लेट

भारत में त्योहारों का सीजन जारी है। नवरात्र और दशहरा के बाद अब देश के विभिन्न हिस्सों में करवा चौथ की तैयारियां शुरू हो गयी है। सुहागनों के लिए इस त्योहार का काफी महत्व होता है। करवा चौथ को हर साल अपने पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं धूमधाम से मनाती है। इस साल यह पर्व 1 नवंबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर अगर व्रत खोलने वाली महिलाएं अपना व्रत खोलने के बाद कुछ खास खाना चाहती हैं, तो कुछ नया ट्राई कर सकते हैं। अक्सर कोई भी त्योहार पड़ने पर लोग पनीर और खीर पूड़ी बना लेते हैं।

कचौड़ी

पूड़ी की जगह आप बनाएं क्रिस्पी मसालेदार कचौरी। आटे में थोड़ा मैदा, कसूरी मेथी, दरदरी धोई उरद, नमक, अजवाइन और रिफाइंड का मोयन डाल कर अच्छे से मिला लें। अब इसकी कचौड़ी तलें। बहुत ही क्रिस्पी और टेस्टी कचौड़ी तैयार है।

जीरा राइस

जब कचौड़ी भी हैवी और ग्रेवी भी मसालेदार हो जाएगी तो अपने प्लैटर में राइस थोड़ा हल्का रखें। जैसे फ्राइड राइस या मटर पुलाव की जगह गर्म मसालों की खुशबू वाला प्लेन जीरा राइस बनाएं। इससे खाने में आनंद आएगा।

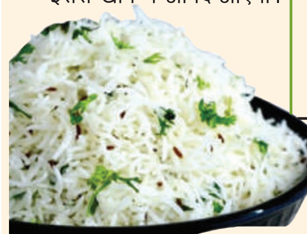

कस्टर्ड

मीठे में खीर और सेंवई से हट कर कुछ अलग बनाएं। कस्टर्ड एक पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन हो सकता है। अलग अलग तरह के फल जैसे केला, सेब, अंगूर आदि को छोटे टुकड़ों में काटें। दूध उबाल कर उसमें अपनी पसंद के फ्लेवर का कस्टर्ड पाउडर डाल कर अच्छे से मिलाएं। जब ये पक कर पेस्ट जैसा होना शुरू हो तब इसमें सभी फल डाल कर मिलाएं। आखिर में अनार के दाने डालें। चीनी मिलाएं और अच्छे से सबकुछ मिला कर फ्रिज में स्टोर कर दें। दो से तीन घंटे के बाद निकालें और ठंडा-ठंडा कस्टर्ड सर्व करें।

मलाई कोफ्ता

अमूमन पनीर या फिर छोला चना जैसे व्यंजन त्योहार के दिन बना दिए जाते हैं। आप कुछ अलग हट कर बनाना चाहते हैं तो मलाई कोफ्ता ट्राई करें। आलू और पनीर में धनिया, मिर्च, जीरा, मेवा और मैदा डाल कर क्रिस्पी छोटे बॉल फ्राई करें। लहसुन अदरक के पेस्ट को गर्म तेल में भूनें और इसमें प्याज सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें काजू का पेस्ट डाल कर भूनें और फिर टमाटर प्यूरी डाल कर अच्छे से एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब अलग से कढ़ाई में बटर डाल कर उसमें सभी पाउडर वाले मसाले डालें जैसे धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, मिर्ची पाउडर, हल्दी। जब ये पक जाए तो इसमें टमाटर की प्यूरी वाला पेस्ट डाल कर पकाएं और फ्रेश क्रीम डालें। आखिर में गरम मसाला और कसूरी मेथी डाल कर सभी कोफ्ता बॉल डालें और अच्छे से मिला कर सर्व करें।

कचूमर सलाद

सामान्य खीरा, गाजर, प्याज और टमाटर के सलाद की जगह टमाटर, प्याज को एकदम बारीक काटें और इसमें हरी धनिया, हरी मिर्च काट कर, काला नमक और चाट मसाला डाल कर हाथ से मसल कर मिलाएं। चटपटा कचूमर सलाद तैयार है।

बच्चों के लिए झटपट बनाएं पोटैटो पिलो

अगर आपके घर में बच्चे हैं, तो आप ये बखूबी जानती होंगी कि खाने के मामले में बच्चे कितने नखरे दिखाते हैं। घर में बना हुआ सादा खाना बच्चों को खिलाना बेहद ही मुश्किल काम होता है। वहीं अगर बात करें फास्ट फूड की तो इसे हर बच्चा काफी मन से खाता है। बच्चों को फास्ट फूड वाली रेसिपी काफी पसंद आती हैं। आलू से बनी डिशेज छोटे से लेकर बड़े बच्चे तक पेट भर के खाते हैं। चाहे फिर वो पोटैटो फ्राइज हों या फिर पोटैटो नगेट्स। इसी के चलते आज हम आपको आलू से ही बनी एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आपका बच्चा तो आराम के खा ही लेगा बल्कि इसे आप अपने मेहमानों के सामने भी परोस सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोटैटो पिलो की। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा सामान की जरूरत भी पड़ेगी। वहीं इसे बनाना भी काफी आसान है। तो आइए देर ना करते हुए आपको पोटैटो पिलो बनाना सिखाते हैं।

सामग्री

दो-तीन मीडियम साइज आलू, एक बाउल मैदा, आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल।

विधि

सबसे पहले आलू को उबाल कर साफ तरीके से छील लें। छीलने के बाद इसे अच्छे से मैश कर लें। आलू को इस कदर मैश करें कि इसमें गांठ ना बचें। अब इसमें नमक और काली मिर्च मिलाएं। मैदा मिलाने के बाद अब इसे अच्छे से गूंथ लें। इसका एक परफेक्ट सा डो तैयार कर लें। डो को आधे घंटे के लिए साइड में रख दें। इसके बाद इसकी छोटी-छोटी लोई बनाकर हाथ से ही उसे बिस्किट का आकार दें। चाहें तो अपने हिसाब से इसे शेप दे सकते हैं। जब ये तैयार हो जाए तो एक पैन में तेल गर्म करके इसे तल लें। इसे सुनहरा होने तक अच्छे से तलें। बस आपके पोटैटो पिलो तैयार हैं। इसे सॉस और चटनी से साथ गर्म ही परोसें।

हंसना मना है

एक लड़की- हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान - घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और 1st आयी है. लड़का- देख देख क्या देख, उसीको देख देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की- अगर मै मर जाऊ तो तुम क्या करोगे? लड़का- मै भी मर जाऊंगा, लड़की- पर क्यों?

लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

फेकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेकू, नहीं देख सकते हम फेकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

लड़की- परसो मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यू? लड़का-अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

कहानी: कद्दू की तीर्थयात्रा

हमारे यहां तीर्थ यात्रा का बहुत ही महत्व है। पहले के समय यात्रा में जाना बहुत कठिन था। पैदल या तो बैल गाड़ी में यात्रा की जाती थी। थोड़े थोड़े अंतर पे रुकना होता था। विविध प्रकार के लोगो से मिलना होता था, समाज का दर्शन होता था। विविध बोली और विविध रीति-रीवाज से परिचय होता था। कंई कठिनाईओ से गुजरना पड़ता, कंई अनुभव भी प्राप्त होते थे। एकबार तीर्थ यात्रा पे जानेवाले लोगो का संघ संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियो को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा-मै तो आप लोगो के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां - जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया, मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगो ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रिओ को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियो को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूपसे बनवायी गयी थी। सभी यात्रिओ ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है ! यह सुन सभी यात्रिओ को बोध हो गया कि 'हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये है।'

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में कोई बड़ा पद मिल सकता है।

तुला — आज आप काफी थका हुआ महसूस करेंगे और यह झुंझलाहट का कारण बन सकती है। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में भी बदलाव लाना होगा।

वृषभ — आज आपके ऊपर कुछ पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेगी। आज किसी अजनबी की वजह से आपको मुड थोड़ा खराब होगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक भी हो जाएगा।

वृश्चिक — आज आय के नए स्रोत सामने आएंगे। आज नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज सफलता आपके कदम चूमेगी।

मिथुन — आज का दिन मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कुछ लाभ के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जो उनके राजनीतिक करियर में उन्हें आगे बढ़ाएंगे।

धनु — आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। आज आप अपने रोजमर्रा के कार्यों से परे हटके कुछ नए काम में हाथ बनाएंगे।

कर्क — आज रुका हुआ पैसा मिलने के योग है। पैसों के मामले सुलझ सकते है। दोस्त आपको समस्याओं से बाहर निकलने में मदद करेंगे। आपका मन आज काफी चंचल रहेगा।

मकर — आज दिन अच्छा बीतेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है।

सिंह — आज भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो आज पूरा कर लेंगे। शादीशुदा जीवन में आनंद आएगा।

कुम्भ — कई दिनों से चल रही पारिवारिक समस्याएं आज समाप्त हो जाएंगी। किसी दोस्त से फोन पर देर तक बात करेंगे। पहले की गयी मेहनत का आज पॉजिटिव परिणाम मिलेगा।

कन्या — आज का दिन आपको अपने व्यवहार में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। नौकरी से जुड़े जातकों को आज अपने शत्रुओं से सतर्क रहना होगा।

मीन — आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से लाभदायक रहेगा। आज आप यदि किसी संकट में भी होंगे, तो आप उससे निकलने में अपनी बुद्धि का प्रयोग करके सफल रहेंगे।

शाहरुख खान पर आया फातिमा शेख का दिल

आमिर खान के साथ फिल्म दंगल से अपने करियर की शानदार शुरुआत करने वाली फातिमा सना शेख आए दिन खबरों में बनी रहती हैं। जहां एक तरफ आमिर खान संग अभिनेत्री की नजदीकी चर्चा का विषय बनी रहती है, वहीं दूसरी तरफ उनके फिल्मी प्रोजेक्ट्स भी खूब सुर्खियों में रहते हैं। आखिरी बार फिल्म धक धक में नजर आईं फातिमा जल्द ही सैम बहादुर के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रही हैं। ऐसे में फातिमा सना शेख लगातार मीडिया खबरों में बनी हुई है। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में फातिमा ने बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

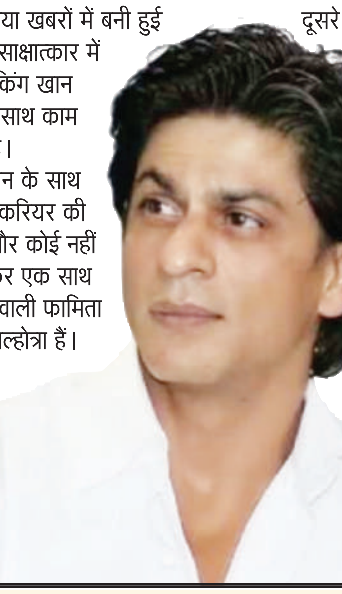

दंगल में आमिर खान के साथ दो अभिनेत्रियों ने अपने करियर की शुरुआत की थी। यह और कोई नहीं बल्कि सैम बहादुर में फिर एक साथ काम करती नजर आने वाली फामिता सना शेख और सान्या मल्होत्रा हैं। दोनों की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाती नजर आने वाली है। खास बात यह है कि फातिमा और सान्या के सपने एक-दूसरे से बहुत मिलते-जुलते हैं। जहां सान्या शाहरुख खान संग जवान में काम करके अपना सपना पूरा कर चुकी हैं, वहीं फातिमा ने भी जल्द से जल्द एसआरके के साथ फिल्म में नजर आने की इच्छा व्यक्त की है। शाहरुख खान के साथ पूरी दुनिया के कई बड़े-बड़े सितारे स्क्रीन साझा करना चाहते हैं। विदेशी सुपरस्टार्स से लेकर यह हमारे भारतीय सेलेब्स की भी इच्छा होती है। ऐसे बहुत से सितारे हैं, जो अभी भी ऐसा करने में असफल रहे हैं और आने वाले समय में शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा रखते हैं। इन्हीं सेलेब्स में फातिमा सना शेख का नाम भी शामिल हो गया है।

'दिल्ली क्राइम' ने शेफाली शाह के करियर में लगाया चार चांद

शेफाली शाह ने पिछले कुछ वर्षों में दिल धड़कने दो, डार्लिंग्स और लोकप्रिय नेटफ्लिक्स शो दिल्ली क्राइम में जबर्दस्त अदाकारी दिखाई है, जिसके जरिए उन्होंने खास पहचान हासिल की। अब अभिनेत्री ने अपने करियर के इस चरण के बारे में खुलकर बात की। काफी संघर्षों के साथ इंडस्ट्री में अपनी जगह पाने को लेकर शेफाली का कहना है कि देर आए दुरुस्त आए। इसके साथ ही उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में भी बात की।

शेफाली को हाल ही में दिल्ली क्राइम के दूसरे सीजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकन मिला है, जिसमें उन्होंने पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी की भूमिका निभाई है। हाल ही में दिए साक्षात्कार में अभिनेत्री ने शो के बारे में बात की और कहा कि मुझे

नहीं लगता कि यह अभी तक डूबा है। मुझे नहीं पता कि इसका मेरे लिए या मेरे करियर के लिए क्या मतलब है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बड़ा सम्मान है। ओटीटी की खूबसूरती यह है कि यह दुनिया भर में पहुंचता है और इन अद्भुत अभिनेताओं में से चुना जाना, वास्तव में मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। यह एक मान्यता है कि मैं जो करती हूं वह अच्छा है।

अभिनेत्री 1993 से इस पेशे में काम कर रही हैं और उनके पास थिएटर, टीवी, फिल्म और ओटीटी जैसे सभी प्लेटफार्मों पर अच्छा खासा काम है। उन्होंने कहा कि वह सौभाग्यशाली महसूस करती हैं कि यह सराहना काम के अधिक अवसरों में तब्दील हुई है। शेफाली ने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि देर आए दुरुस्त आए। ईमानदारी से कहूं तो मुझे खुशी है। इन सभी वर्षों में मेरा करियर वास्तव में काम करने से ज्यादा इंतजार करने पर केंद्रित रहा है। मैं सराहना और सम्मान पाने के लिए भाग्यशाली रही हूं, लेकिन यह काम में तब्दील नहीं हो रहा था। मैं सोच रही थी कि अगर मैं और काम नहीं कर सकती तो मैं इस सम्मान और प्रशंसा का क्या करूंगी, लेकिन अब यह काम में तब्दील हो रहा है, जो बहुत अच्छी बात है। अभिनेत्री का मानना है कि 2019 में शुरू हुई दिल्ली क्राइम ने कई फिल्म निर्माताओं को विश्वास दिलाया कि वह एक प्रोजेक्ट को अपने कंधे पर ले सकती हैं। कुछ प्रोजेक्ट्स में उन्होंने मुख्य और सहायक भूमिका निभाई है, जिसमें आलिया भट्ट के साथ डार्लिंग्स, विद्या बालन के साथ जलसा और डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सीरीज ह्यूमन शामिल हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

सपनों को पूरा करने के लिए मैंने अहंकार को कभी आगे नहीं आने दिया : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। अभिनेत्री इन दिनों मामी फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत आई हुई हैं। मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में चल रहे इस फेस्टिवल की वह चेयरपर्सन हैं और समारोह की ओपनिंग सेरेमनी भी उन्होंने होस्ट की। रविवार को प्रियंका ने एक मास्टर क्लास सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने फिल्मों के ऑडिशन को लेकर बात की। प्रियंका चोपड़ा ने फिल्मों की स्क्रिप्ट के चयन को लेकर खुलकर बात की और बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए अहंकार उनके लिए कभी बाधा नहीं बनता है। बता दें कि इस सेशन में भूमि पेडनेकर भी मौजूद रहीं। भूमि ने प्रियंका से फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट के चयन की प्रक्रिया के बारे में पूछा। इस पर प्रियंका ने कहा कि उनकी यह प्रक्रिया समय के साथ बदलती रही है। कभी-कभी फिल्में उनके पास आती हैं, वहीं कई बार ऐसा भी होता है, जब उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट्स के लिए जूझना पड़ता है और ऑडिशन देना पड़ता है। एक बार तो अपने मनचाहे प्रोजेक्ट के लिए उन्हें तीन बार ऑडिशन देना पड़ा था। प्रियंका चोपड़ा ने कहा, ईगो हर चीज का अंत कर देता है। किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कठिन मेहनत, विनम्रता और दृढ़ता की जरूरत होती है। प्रियंका का कहना है कि वह अपने सपनों को आगे बढ़ाने में अहंकार को कभी आड़े नहीं आने देतीं। उन्होंने कहा कि दूसरों की मदद करने की इच्छा रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि केवल असुरक्षित लोग ही दूसरों को पीछे धकेलते हैं। बातचीत के दौरान प्रियंका ने कहा कि उन्होंने एक फिल्म के लिए तीन राउंड में ऑडिशन दिया, वह वास्तव में उस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थीं। प्रियंका ने कहा कि उन्होंने उस प्रोजेक्ट के बारे में कहीं पढ़ा था और वह बस किसी भी तरह उसका हिस्सा बनने के लिए आतुर थीं। उन्होंने फिल्म के मेकर्स को कॉल किया और अपना ऑडिशन देने की बात कही। इसके बाद तीन राउंड में उनके ऑडिशन हुए। अभिनेत्री ने बताया कि पहली बार में फिल्म मेकर्स के साथ उनकी मीटिंग थी। फिर अगली बार निर्देशक के साथ स्क्रिप्ट रीडिंग के लिए उनके घर पर मीटिंग थी। तीसरी मीटिंग स्टूडियो में थी, जिसके बाद आखिर यह फिल्म उन्हें मिल पाई।

रांची के इस कुआं से निकलता है सोना, फिर भी नहीं ले पाता कोई

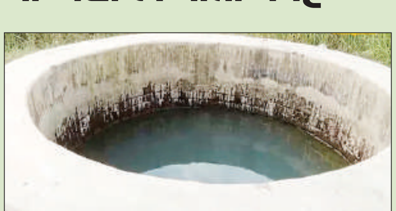

वैसे तो इस दुनिया में कई ऐसी अजीबोगरीब चीज है। जिसको सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। ऐसी एक अजीबोगरीब चीज आज हम आपको बताने वाले जिसको सुनकर आप चौंक जाएंगे। दरअसल, झारखंड की राजधानी रांची के नगरी में एक कुआं स्थित है। कहा जाता है इस कुएं से सोना निकलता है। लेकिन फिर भी सोना को कोई अपने पास रख नहीं पाता। कुए के समीप स्थित शिव मंदिर के पुजारी देवेंद्र ने लोकल 18 को बताया यह कुआं काफी प्राचीन है। इस कुएं से सोने का कण निकलता है। लेकिन कोई इस सोने के कण को अपने पास रख नहीं पाता। दरअसल, कुएं से ही झारखंड की सबसे लंबी नदी स्वर्णरेखा निकलती है। यह स्वर्णरेखा नदी का उद्गम स्थल है। सोना निकलने के कारण ही नदी का नाम स्वर्णरेखा पड़ा। पुजारी देवेंद्र बताते हैं दरअसल, यह कुआं काफी धार्मिक है। लोग यहां पूजा पाठ करते हैं। मान्यता है कि कुआं में साक्षात् देवी का आशीर्वाद प्राप्त है। पूरे नगरी प्रखंड में किसी भी धार्मिक कार्य के लिए इस कुएं का पानी का इस्तेमाल होता है। लोग इस कुएं के पानी को पूजते हैं। इसीलिए कोई भी सोने के कण को अगर अपने पास रखना चाहे तो उसके साथ कोई हादसा हो जाता है। उन्होंने आगे बताया ऐसा कई बार हुआ है कि कुएं से पानी निकालते समय कुछ सोने के कण हाथ में आ जाते हैं। लेकिन लोग उसे वापस कुएं में ही डाल देते हैं। एक दो बार ऐसा देखा गया है कि एक दो लोगों ने सोने के कण को अपने पास रखना चाहा तो लौटते समय उनके साथ गंभीर हादसा हो गया। लेकिन अब लोग ऐसा बिल्कुल नहीं करते। पुजारी देवेंद्र बताते हैं पूरे नगरी प्रखंड में धान की खेती होती है। पूरे खेत में इसी कुएं का पानी का इस्तेमाल होता है। आश्चर्य की बात यह है कि इस कुएं का पानी कभी नहीं सूखता। चाहे भीषण गर्मी ही क्यों ना पड़े इसके अलावा इस कुएं में तय सीमा में पानी सालों भरा रहता है। उस तय सीमा के नीचे ना पानी जाता है और ना ऊपर आता है। साथ ही कुएं की गहराई आज तक कोई नाप नहीं पाया है। उन्होंने आगे बताया इतना गहरा होने के बावजूद भी आज तक इस कुएं में कोई डूब कर नहीं मारा है और अगर गलती से कोई गिर भी जाए तो आसानी से बाहर निकल जाता है। इसीलिए लोग इसे चमत्कारी कुआं भी कहते हैं और इसको काफी श्रद्धा और आस्था के साथ पूजते हैं।

अजब-गजब | ये है 16वीं सदी का अद्भुत किला

यहां के मंदिरों की दीवारें रहस्यमयी, खून से सनी हुई हैं छतें

जापान के क्योटो में पांच मंदिर ऐसे हैं, जिनकी दीवारों के भीतर खूनी रहस्य छिपा हुआ है। ये मंदिर हैं- योगेन-इन, जेनको-अन, शोडेन-जी, होसेन-इन और मायोशिनजीमंदिर, जिनकी छतें कथित तौर पर सदियों पुराने खून से रंगी हुई हैं, जो इतिहास के सबसे क्रूर समुराई संघर्षों में से एक के दौरान बहाया गया था।

ब्यूरियलसेंडबियॉन्ड की रिपोर्ट के अनुसार, मंदिरों की छत का निर्माण फुशिमा कैसल के फर्श की लकड़ियों से किया गया है, जो 16वीं सदी का एक किला है। जहां जापानी समुराई जनरल टोरी मोटोटाडा और उनके 380 योद्धाओं ने दुश्मनों की 40 हजार सैनिकों की सेना को 11 दिनों तक रोके रखा था। उस समय दो सबसे बड़े कुलों के बीच लड़ाई चल रही थी। एक का नेतृत्व जापान के सबसे शक्तिशाली सरदार टोकुगावा इयासु जबकि दूसरे कुल का नेतृत्व इशिदा मित्सुनारी कर रहे थे। टोकुगावा इयासु ने जापान में आखिरी सामंती सरकार तोकुगावा शोगुनेट की स्थापना की। इशिदा मित्सुनारी ने फुशिमा कैसल पर कब्जा करने के लिए 40 हजार सैनिकों की फौज के साथ किले पर धावा बोल दिया था। इस हमले का इयासु की सेना ने बहादुरी के साथ मुकाबला किया। समुराई जनरल टोरी मोटोटाडा के नेतृत्व में इयासु की सेना ने इशिदा मित्सुनारी की मांगों के मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों सेनाओं के बीच भयंकर लड़ाई हुई।

मोटोटाडा और उनके सभी 380 समुराई सैनिकों ने 11 दिन तक दुश्मनों को रोके रखा, लेकिन जब उनके लिए दुश्मनों को रोकना मुश्किल हो गया, तो हार मनाने और हमलावर सेना द्वारा पकड़े जाने के बजाय सभी 380 समुराई सैनिकों ने अपनी जान ले ली। उनके शरीर से बहे खून से किले के दालान की लकड़ियां रक्तरंजित हो गईं।

बाद में, किले के दालान की इन्हीं लकड़ियों को मंदिरों की छतों में लगाया गया। ताकि मोटोटाडा और बाकी सभी 380 समुराई सैनिकों के बलिदान को सम्मान किया जा सके और उनकी आत्माओं को शांति मिल सके। ये निशान, जिन्हें अब 'चितेंजो' कहा जाता है। उन मंदिरों में खून से सने पैरों और हाथों के निशान आज भी स्पष्ट देखे जा सकते हैं, जैसे कि खून के धब्बे कुछ ही दिन पुराने हों।

अब सिर्फ भाषणों और विज्ञापनों में बची भाजपा : कमलनाथ

दिल्ली दरबार और दरी बिछाने वाले कार्यकर्ताओं में हो रही जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा के रणनीतिकार अपने ही चक्रव्यूह में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा अब सिर्फ भाषणों और विज्ञापनों में बची है, वह चुनाव लड़ने की रणनीति पर नहीं, बल्कि आपसी रण की नीति पर चल पड़ी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के दिल्ली दरबार और दरी बिछाने वाले कार्यकर्ताओं में जंग छिड़ी है। यही वजह है कि जबलपुर में एक तरफ भाजपा नेता अमित शाह बड़ी-बड़ी रणनीति और संगठन की बातें करते रहे तो दूसरी तरफ वहीं के भाजपा महानगर अध्यक्ष ने पार्टी में लगातार हो रहे अपमान के कारण पद से इस्तीफा दे दिया। यह हाल अकेले जबलपुर का नहीं है, पूरे मध्य प्रदेश में भाजपा में इस बात पर रोष है कि प्रदेश में क्या सारे नेता अक्षम हो गए हैं जो दिल्ली उनके ऊपर थोपी जा रही है।

मप्र में जनता कांग्रेस सरकार नहीं बनने देगी : मनोज तिवारी

भाजपा सांसद मनोज ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस आतंकवादियों का सपोर्ट कर रही है और इनके हमास बहुत जगह अपनी जड़ें जमा रहे हैं। कांग्रेस मतलब हमास, आतंकियों का पैरोकार और सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश है। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता हमास (कांग्रेस) की सरकार नहीं बनने देगी। इस मध्यप्रदेश को कांग्रेस ने किस तरह रुलाया था यह कोई नहीं भूला है। रैली में मनोज तिवारी ने पब्लिक डिमांड पर गीत भी गाए। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए मनोज ने कहा कि मध्यप्रदेश में हम जहां लाडली बहनों का ख्याल रखते हैं। वहीं, कांग्रेस को सिर्फ एक लाड़ला का ख्याल होता है। सासंद मनोज तिवारी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी जो जनता चाहती है वो करती है। चाहे इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात हो, सड़कों की बात हो या फिर राम मंदिर, महाकाल लोक, भारतीय संस्कृति की रक्षा और सत्य सनातन धर्म को आसमान पर ऊंचा उठाने की बात हो भाजपा सब में आगे रहती है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर बन कर तैयार हो रहा है, अब मथुरा-काशी की भी बारी है।

सपा की ओर से मप्र में अखिलेश, जया बच्चन व मिर्ची बाबा करेंगे प्रचार

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव आजम खान, राज्यसभा सांसद जया बच्चन, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव, राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर, पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, पार्टी की बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, पार्टी के अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास गौड, समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व एमएलसी श्याम सुंदर सिंह यादव, पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव, वैराग्यानंद मिर्ची बाबा, समाजवादी पार्टी के मध्य प्रदेश अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल, पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम और समाजवादी सांस्कृति प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चिरइया प्रजापति का नाम शामिल है।

सिसोदिया से पैसे का संबंध नहीं बता पाई ईडी : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» मंत्री ने फैसला बताया सुनवाई के विपरीत

» सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन फाइल करेगी आप

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज होने का फैसला सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बिलकुल विपरीत करार दिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बार-बार पूछने पर ईडी सिसोदिया से जुड़ी हुई मनी ट्रेल साबित न कर सकी। ऐसी स्थिति में धनशोधन और पीएमएलए लगने का सवाल पैदा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी एक ईमानदार पार्टी है।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में शानदार तरीके से दिल्ली सरकार चली है। आज तक एक रुपये के भ्रष्टाचार में आम आदमी पार्टी का कोई भी नेता शामिल नहीं हुआ है। आम आदमी पार्टी पर एक रुपये का भ्रष्टाचार भी साबित नहीं होगा, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने न कभी भ्रष्टाचार किया है न कभी करेगी। वहीं सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब आम आदमी पार्टी सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन फाइल करने की तैयारी में है। वहीं, पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर करने की योजना बना रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर दागे तीखे सवाल

आतिशी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जब सिसोदिया की जमानत याचिका को सुना जा रहा था, तब सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर काफी तीखे सवाल और टिप्पणियां कीं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से बार-बार ये सवाल पूछा कि आपके पास सिसोदिया जी से जुड़ी हुई मनी ट्रेल कहा है? क्या सिसोदिया के पास पैसा आया, उनके परिवार के पास पैसा आया या उनसे जुड़ी किसी कंपनी के पास पैसा आया? इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार ये भी कहा कि अगर ईडी सिसोदिया के पास पैसे पहुंचते हुए नहीं दिखा सकती तो धनशोधन और पीएमएलए लगने का सवाल कैसे पैदा होता है।

केजरीवाल सरकार बताए आखिर पैसा कहां है : सुधांशु त्रिवेदी

कथित शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज होने के बाद भाजपा ने निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल बड़ी ही नाटकीयता के साथ यह बात बार बार बोला करते थे कि यदि आप सुप्रीम कोर्ट के आज के ऑब्जर्वेशन को देखेंगे तो सिर्फ न केवल बेल याचिका खारिज हुई बल्कि 338 करोड़ रुपये भी स्थापित होते दिख रहे हैं। ये लोग कहते थे पैसा कहा है। पैसा का सारा ब्यौरा जांच एजेंसी कोर्ट को बताती है। अब अरविंद केजरीवाल की सरकार अदालत को बताएं कि पैसा कहां है। मनी ट्रैल लीगल होते हुए दिख रहा है।

मोहाली : आप विधायक कुलवंत सिंह के यहां ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मोहाली से आप विधायक कुलवंत सिंह के घर और दफ्तर पर सुबह करीब आठ बजे एक साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दबिश दी। टीम सुबह से ही उनके दफ्तर और घर पर दस्तावेज खंगाल रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब घोटाला मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अभी अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। छापेमारी पर विधायक और उनके स्टाफ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। शराब घोटाले में सीबीआई दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं इस संबंध में पंजाब के कई शहरों में पहले भी छापेमारी हो चुकी है। सीबीआई पंजाब के कई अधिकारियों को इस मामले में तलब कर चुकी है। वहीं ईडी ने पंजाब में शराब नीति बनाने वाले अधिकारियों को बिना अनुमति विदेश जाने पर रोक लगा चुकी है।

छह फीट की अगरबत्ती जलाकर मनाया भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारतीय टीम ने इकाना स्टेडियम में हुए मैच इंग्लैंड टीम काक हराकर पूरे देश खुशी से झूमा दिया। लखनऊ में क्रि केट प्रेमियों और आम जनता के बीच जबरदस्त खुशी की लहर देखी गयी। पूरा शहर जश्न में डूबा हुआ है। इसी क्रम में अगरबत्ती निर्माण क्षेत्र में देश की अग्रणी कंपनी साइकिल प्योर अगरबत्ती ने लखनऊ के चौक स्टेडियम में एक खास तौर पर बनाई गई 6 फीट की अगरबत्ती जलाकर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मनाया।

इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए कंपनी के नॉर्थ इंडिया हेड आर के टंडन ने बताया कहा कि जिस तरह से भारतीय टीम अपने पूरे रंग में है उससे उम्मीद लगाई जा रही है की क्रिकेट विश्व कप 2023 भारत का होगा। चौक स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में जानी-मानी क्रिकेट अकादमी लखनऊ क्रिकेट अकादमी के होनहार क्रिकेटरो और उनके कोच अर्शी रज़ा भी मौजूद रहे। भारतीय टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए अर्शी रज़ा ने कहा की इस समय भारतीय टीम का बैलेंस बिल्कुल सही है और टीम जबरदस्त फार्म में है। जिस तरह से अभी तक टीम अपराजिता है उसे देखकर उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय टीम विश्व कप जरूर जीतेगी।

अफगानिस्तान ने श्रीलंका व पाक को दिया झटका

अफगानिस्तान की जीत से प्वाइंट्स टेबल में बड़ा फेरबदल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

73 रन कूटे अजमतुल्लाह उमरजई ने, बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में अफगानिस्तान ने तीसरा बड़ा उलटफेर करते हुए श्रीलंका को 7 विकेट से हार का स्वाद चखाया। श्रीलंका से मिले 242 रन के लक्ष्य को अफगानिस्तान ने महज 3 विकेट खोकर हंसते-खेलते हुए 45.2 ओवर में हासिल कर लिया। टीम की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बैटिंग करते हुए 73 रन कूटे, जबकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 58 रन बनाए। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने प्वाइंट्स टेबल में भी बड़ा फेरबदल कर डाला है।

अफगानिस्तान की टीम श्रीलंका को हराने के बाद प्वाइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। हार से श्रीलंका को भारी नुकसान झेलना पड़ा है और टीम अब छठे पायदान पर खिसक चुकी है। अफगानिस्तान की जीत से पाकिस्तान को भी नुकसान झेलना पड़ा है और बाबर आजम एंड कंपनी अब टेबल में सातवें नंबर पर आ गई है।

डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड 6 मैचों में पांच हार के साथ सबसे निचले पायदान पर है, तो बांग्लादेश 9वें और नीदरलैंड्स आठवें नंबर पर मौजूद है।

टॉप पर टीम इंडिया

वर्ल्ड कप 2023 की प्वाइंट्स टेबल में टीम इंडिया नंबर एक पर बनी हुई है। भारतीय टीम ने अभी तक खेले अपने सभी छह मैचों में जीत दर्ज की है। साउथ अफ्रीका 6 मैचों में पांच जीत के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है। न्यूजीलैंड 4 जीत के साथ तीसरे और ऑस्ट्रेलिया भी चार मैचों में मैदान मारने के बाद चौथी पोजिशन पर मौजूद है।

सही मायने में इंदिरा गांधी 'देश की मां' हैं: वरूण गांधी

दादी पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को बलिदान दिवस पर दी पुष्पांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री व अपनी दादी इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया और कहा कि सही मायने में वह 'देश की मां' हैं। वरुण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अप्रतिम साहस एवं संघर्ष की प्रतीक और लोकतांत्रिक समाजवाद की प्रणेता रहीं मेरी दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी को उनके बलिदान दिवस पर शत शत नमन।''

उन्होंने कहा, ''आपमें कठोर फैसले लेने के दृढ़निश्चय के साथ साथ मातृत्व तथा एक बेहद सरल और सौम्य कोमलता भी थी। आप सही मायने में 'देश की मां' हैं।'' वरुण ने इस पोस्ट के साथ ही इंदिरा गांधी के साथ अपने बचपन की एक तस्वीर भी साझा की। इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को प्रयागराज में हुआ था। वह जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक प्रधानमंत्री रहीं। इसके बाद 1980 में वह फिर से प्रधानमंत्री बनीं। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी के अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी थी। इंदिरा गांधी के दो पुत्र थे- संजय गांधी और राजीव गांधी। संजय गांधी की एक विमान हादसे में मृत्यु हो गई थी जबकि राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। वरुण गांधी इंदिरा गांधी के पौत्र और दिवंगत संजय गांधी के पुत्र हैं। वरुण की मां मेनका गांधी सुलतानपुर लोकसभा सीट से भाजपा की वरिष्ठ सांसद हैं और वह केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुकी हैं।

आचार्य नरेंद्र देव ने गरीबी और अशिक्षा के विरुद्ध संघर्ष किया: अखिलेश यादव

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को समाजवादी नेता एवं विचारक आचार्य नरेन्द्र देव की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने आचार्य नरेन्द्र देव के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। आचार्य ने आजीवन गरीबी और अशिक्षा के विरुद्ध संघर्ष किया है।

अखिलेश यादव ने आचार्य नारेंद्र देव जयंती के अवसर पर कहा कि आचार्य जी ने देश की एकता और अखण्डता के लिए काम किया था। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही देश खुशहाली की ओर बढ़ सकेगा। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और शैक्षिक सुधार में आचार्य नरेन्द्र देव का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने समाजवादी आंदोलन से किसानों, मजदूरों और नौजवानों को जोड़ा था। उन्होंने आजीवन गरीबी और अशिक्षा के विरुद्ध संघर्ष किया। इस अवसर पर मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी के साथ अन्य सपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा नेता आजम खां को योगी सरकार का बड़ा झटका

» जौहर ट्रस्ट से वापस ली जाएगी विद्यालय की जमीन, कैबिनेट में लगी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जेल में बंद सपा के दिग्गज नेता आजम खां को योगी सरकार की तरफ से एक और बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में रामपुर में मौलाना मो. जौहर ट्रस्ट को माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा लीज पर दी गई मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन व भूमि वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

गौरतलब है कि सपा सरकार में विद्यालय की जमीन जौहर ट्रस्ट को मात्र 100 रुपये सालाना के किराये पर दी गई थी। मामले में शिकायतकर्ता विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि सपा कार्यकाल में आजम ने मुर्तजा विद्यालय की जमीन को जौहर ट्रस्ट के नाम करवा लिया था। इसके बाद इसमें रामपुर पब्लिक स्कूल खोल दिया। भाजपा विधायक का कहना है कि रामपुर शहर स्थित यह जमीन 3825 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में है। इसमें सपा का कार्यालय भी है। जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 10 करोड़, जबकि मार्केट रेट 100 करोड़ से ज्यादा है। डीएम रामपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने इस जमीन को माध्यमिक शिक्षा को लौटाने का फैसला किया है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ केरल में एफआईआर दर्ज

धार्मिक नफरत फैलाने के लगे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल पुलिस ने नफरती बयान देने के मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। केरल पुलिस ने कोच्चि विस्फोटों के संबंध में सोशल मीडिया पर मंत्री के हालिया बयानों को लेकर मामला दर्ज किया है। उनपर आरोप है कि उन्होंने राज्य के मलप्पुरम जिले में एक इस्लामी समूह द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हमास नेता के संबोधन के संबंध में नफरती बयान दिया था।

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि कथित तौर पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले बयान देने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कोच्चि शहर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईपीसी की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 120 (ओ) (उपद्रव और सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन करना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।) मंत्री के खिलाफ केरल पुलिस अधिनियम का मामला दर्ज किया गया है। रविवार को कलामासेरी में यहोवा के साक्षियों की एक धार्मिक सभा में बम विस्फोटों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केरल के सीएम पिनाराई विजयन की आलोचना करते हुए पोस्ट डाले।

सीएम विजयन के खिलाफ विवादित पोस्ट

उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे बदनाम मुख्यमंत्री (और गृह मंत्री) पिनाराई विजयन गंदी-बेशर्म और तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। दिल्ली में बैठकर इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि केरल में जिहाद के लिए आतंकवादी हमास द्वारा खुले तौर पर आह्वान के कारण निर्दोष ईसाइयों पर हमले और बम विस्फोट हो रहे हैं। इसके बाद, सोमवार को सीएम और चंद्रशेखर के बीच जुबानी जंग हुई, जिसमें बीजेपी नेता ने विजयन को झूठा कहा और उन्होंने बदले में राज्य मंत्री को बेहद जहरीला करार दिया।

रन फॉर यूनिटी में खूब दौड़ा लखनऊ

सरदार पटेल को किया याद, सीएम योगी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीं शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर बड़ी संख्या में युवाओं ने एकता दौड़ में भाग लिया। मुख्यमंत्री योगी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दी। भारत की एकता व अखंडता के शिल्पकार सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में लखनऊ में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। इस मौके पर रक्षामंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित किया और सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर आधुनिक व अखण्ड भारत के विश्वकर्मा, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी सरदार साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं। लखनऊ एकता दौड़ हजरतगंज स्थित सरदार पटेल स्मारक पार्क से के डी सिंह बाबू स्टेडियम तक पहुंची। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी की। लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर बड़ी संख्या में युवाओं ने एकता दौड़ में भाग लिया। मुख्यमंत्री योगी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।